



DEPARTMENT OF HISTORY

GDCR


ACADEMIC CALENDAR

2022-23

इतिहास विभाग
सत्र-2022-2023
विभागीय अकादमिक कैलेंडर

क्र.	कार्यक्रम/गतिविधियां	प्रस्तावित तिथि
1.	विभागीय बैठक	जुलाई प्रथम सप्ताह
2.	अगस्त क्रांति	8 अगस्त
3.	पटेल जयंती	31 अक्टूबर
4.	शहीद वीर नारायण जयंती	10 दिसंबर
5.	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	जनवरी
6.	नेताजी सुभाष चंद जयंती	23 जनवरी
7.	नेट स्लेट हेतु कक्षाएं	जनवरी एवं फरवरी
8.	एल्यूमिनी सम्मेलन	फरवरी प्रथम सप्ताह
9.	ऐतिहासिक भ्रमण क्षेत्रीय	फरवरी प्रथम सप्ताह
10.	राष्ट्रीय भ्रमण	फरवरी अंतिम सप्ताह

इसके अतिरिक्त समय अनुकूल शैक्षणिक एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विभिन्न व्याख्यान का आयोजन


विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
शासकीय विश्वविद्यालय
राजनादगाव (छ.ग.)



राजनांदगांव दिनांक 10/12/2022

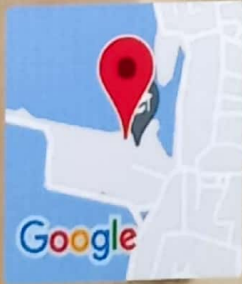
वीर नारायण सिंह की शहादत हमेशा याद रहेगी – डॉ. टांडेकर

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा शहीद वीर नारायण सिंह की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के आरंभ में शहीद वीर नारायण सिंह के तेलचित्रों पर माल्यार्पण किया गया। प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे शांति प्रिय क्षेत्र में अंग्रेजों की नीतियों का परिणाम था कि सोनाखान के जमींदार नारायण सिंह को विद्रोह करना पड़ा अपने क्षेत्र के लोगों को भूख से बचाने के लिए उन्होंने विद्रोह किया था अपनी जान की परवाह ना करते हुए उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया उनकी शहादत हमेशा याद रहेगी। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि 1857 के विद्रोह के समय किसानों की दयनीय स्थिति, अकाल की विकरालता ने वीर नारायण सिंह के विद्रोह करने के लिए प्रेरित किया। अंग्रेजों के षयंत्र करके नारायण सिंह को जेल में डाल दिया था, वहां से जेल से निकलने में सफल रहे थे। बाद में अंग्रेजों ने 500 सैनिकों की टुकड़ी भेज कर उन्हें गिरफ्तार किया और 10 दिसंबर 1857 को रायपुर के जय स्तंभ चौक में फांसी दे दी थी। छत्तीसगढ़ के भोली-भाली जनता के मन में दहशत पैदा करने का प्रयास किया था। नारायण की शहादत हमेशा यादगार रहेगी। युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर वीरेंद्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि आज का दिन हमेशा इतिहास में एक निर्भीक जमींदारकी शहादत के लिए याद की जाएगी, छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद होने का गौरव उन्हें प्राप्त है। इस अवसर पर प्रोफेसर हेमलता साहू प्रोफेसर, हेमंत नंदागोरी तथा एम.ए. इतिहास के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।





शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन 2022–23



Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JWH, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091728°
Long 81.029982°
30/01/23 11:51 AM



सुभाषचन्द्र बोस जयंती मनाई गई

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सुभाषचन्द्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में सुभाषचन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एम.ए. अंतिम के छात्र दिनेश साहू ने सुभाष के जीवनी पर प्रकाश डाला और बताया कि उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक में हुआ था। 1919 में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् 1920 में इंग्लैण्ड से आई.सी.एस. की परीक्षा पास की। बाद में सरकारी सेवा को छोड़कर उन्हें राजनीति में आना पसंद किया। उन्होंने चितरंजनदास को अपना राजनीतिक गुरु माना था। प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि सुभाषचन्द्र का जीवन त्याग और आदर्शों से भरा हुआ था। मई 1939 में उन्होंने फावर्ड ब्लाक की स्थापना की। उनके विचारों से भारत को स्वतंत्रता दिलाने हेतु विदेशियों की सहायता आवश्यक है, अतः उन्होंने सशस्त्र संघर्ष आरंभ किया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह कहा कि सुभाषचन्द्र बोस एक विचार धारा थे। सुभाषचन्द्र ने आजाद हिंद फौज के सेनापति का हैसियत से स्वतंत्रत भारत को अस्थायी सरकार सिंगापुर में बनाई। रानी झांसी रेजीमेंट नाम से स्त्री सैनिकों के भी एक दल का निर्माण किया। इसकी कमान कैप्टन लक्ष्मी बाई सहगल के हाथ में थी। सुभाषचन्द्र बोस ने आजादी हेतु नवयुवकों के समक्ष "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का नारा दिया। कार्यक्रम का संचालन हेमलता साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभाग के छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।





सुभाष चंद्र बोस जयंती



नेट स्लेट पर व्याख्यान

1. दीपक वर्मा 09 सितंबर 2022
2. प्रतीक जैन 20 अक्टूबर 2022
3. लोकेश कुमार डेविड 20 अक्टूबर 2022
4. डॉ. शैलेन्द्र सिंह 29 अक्टूबर , 05 नवंबर 2022
5. हिरेंद्र बहादुर ठाकुर 12,19,29 नवंबर 2022
6. हेमलता साहू 21 जनवरी , 28 फरवरी 2023



NET/SET परीक्षा हेतु व्याख्यान- लोकेश कुमार डेविड



NET/SET परीक्षा हेतु व्याख्यान- प्रतीक कुमार जैन



राज्यस्तरीय शैक्षणिक भ्रमण



भोरमदेव भ्रमण



इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़

